

भारत सरकार  
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1025

जिसका उत्तर 05.02.2026 को दिया जाना

भारतमाला चरण-I के तहत परियोजनाओं का पूरा होना

1025. एडवोकेट प्रिया सरोज:

श्री पुष्पेंद्र सरोज:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतमाला चरण-I के तहत जनवरी 2026 तक भूमि अधिग्रहण, डिजाइन परिवर्तन या अनुबंध भिन्नताओं सहित वास्तव में व्यय हुई प्रति किलोमीटर औसत लागत, मूल स्वीकृत लागत मानदंड और लागत वृद्धि के क्या कारण हैं;

(ख) पत्तन-संपर्क गलियारों की स्थिति, लक्ष्यों के सापेक्ष चालू की गई लंबाई और विलंबित परियोजनाओं के नाम और इसके कारण क्या हैं;

(ग) मांग की गई संशोधित बजटीय सहायता और इसका अन्य राजमार्ग परियोजनाओं पर प्रभाव सहित समय और लागत वृद्धि से उत्पन्न अतिरिक्त वित्तीय आवश्यकता का ब्यौरा क्या है;

(घ) उन ठेकेदारों की संख्या कितनी है जिन्हें अनुचित विलंब के लिए दंडित किया गया काली सूची में डाला गया या उनके विरुद्ध परिसमापन हर्जाना जारी किया गया और वसूल की गई राशियों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या निर्मित सड़क खंडों की स्वतंत्र तृतीय-पक्ष सुरक्षा और गुणवत्ता संपरीक्षा कराई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) वास्तविक औसत प्रति किलोमीटर सिविल निर्माण लागत लगभग ₹24 करोड़ है तथा भूमि अधिग्रहण (पूर्व-निर्माण कार्यकलापों सहित) की लागत लगभग ₹8.3 करोड़ है। अनुमोदन के समय, भारतमाला चरण-I के अंतर्गत 34,800 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास हेतु सिविल निर्माण लागत लगभग ₹4.9 लाख करोड़ तथा भूमि अधिग्रहण की लागत ₹45,000 करोड़ अनुमानित की गई थी।

सिविल लागत में वृद्धि के प्रमुख कारणों में बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करने हेतु उच्च लेन विन्यास अपनाया जाना, आर्थिक गलियारों एवं एक्सप्रेसवे का अधिक अनुपात, समय के साथ डिजाइन मानकों में सुधार तथा कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भूमि अधिग्रहण लागत में वृद्धि के प्रमुख कारणों में मुआवजे की अधिक दरों का निर्धारण, प्रारंभिक योजना की तुलना में अधिक लेन किलोमीटर तथा मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू) मानकों में संशोधन शामिल हैं।

भारत माला परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत 34,800 किलोमीटर लंबाई में तथा दिसंबर 2025 तक कुल 26,425 किलोमीटर लंबाई के परियोजनाओं को सौंप दिया गया है। 21,783 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नवंबर 2023 से भारतमाला परियोजना को बंद कर दिया गया है और अब केवल पहले से सौंपी गई परियोजनाओं को ही पूर्णता हेतु लिया जा रहा है।

भारत माला परियोजना चरण-I पर 31 जनवरी, 2026 तक किया गया वास्तविक व्यय ₹5,30,758.24 करोड़ है।

(ख) विवरण अनुलग्नक पर संलग्न है।

(ग) राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में समय और लागत वृद्धि के कारण होने वाली देरी के प्रमुख कारणों में भूमि अधिग्रहण से संबंधित समस्याएं/बाधाएं, वैधानिक स्वीकृतियां/अनुमतियां प्राप्त करने में विलंब, जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, अतिक्रमण हटाना, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, निर्माण सामग्री/खनिजों की अनुपलब्धता, ठेकेदार/रियायतग्राही का खराब निष्पादन तथा कोविड-19 महामारी, भारी वर्षा, बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन/हिमस्खलन जैसी अप्रत्याशित घटनाएं शामिल हैं।

सभी विलंबित परियोजनाओं में लागत वृद्धि (कॉस्ट ओवररन) नहीं होती है। यदि विलंब संविदाकार के कारण नहीं है, तो करार शर्तों के अनुसार निर्धारित सूत्र के अनुरूप मूल्य वृद्धि का भुगतान किया जाता है, जिससे वास्तविक पूर्णता तथा परियोजना करार/रियायत अवधि की समाप्ति के पश्चात बिलों के अंतिम निपटान पर निर्भर करते हुए अतिरिक्त लागत हो भी सकती है अथवा नहीं भी हो सकती है। यदि विलंब संविदाकार के कारण होता है, पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की 36 प्रमुख परियोजनाओं को विभिन्न कारणों से समाप्त (टर्मिनेट) किया गया, जिनमें अन्य कारणों के साथ-साथ परियोजना के क्रियान्वयन में विलंब भी शामिल है। ये परियोजनाएं किसी भी पूर्णता चरण तक पहुंचने से पूर्व ही समाप्त कर दी गईं।

(घ) परियोजना में देरी का मुख्य कारण निर्माण-पूर्व कार्यकलापों, जिसमें भूमि अधिग्रहण तथा विभिन्न स्वीकृतियां शामिल हैं, में होने वाला विलंब है। परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान भी संविदाकार की चूक, रियायतग्राही की वित्तीय समस्याओं आदि के कारण देरी होती है। विलंब के मामलों का मामला-दर-मामला विश्लेषण किया जाता है तथा संबंधित करार /रियायत करार के प्रावधानों के अनुसार उपचारात्मक उपाय अपनाए जाते हैं, जिनमें शास्ति/परिनिर्धारित क्षतिपूर्ति (लिक्विडेटेड डैमेज) आरोपित करना, करार की समाप्ति करना अथवा सुलह-समाधान के माध्यम से विवाद का निपटारा करना आदि शामिल हैं।

(ङ) सुरक्षा और गुणवत्ता ऑडिट, परियोजना जीवन चक्र के दौरान आयोजित किए जाते हैं, अर्थात् विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) चरण, निर्माण चरण के साथ-साथ निर्माण के बाद के चरण में भी सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षक, स्वतंत्र इंजीनियर अनुबंध के तहत सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ, समकक्ष समीक्षा विशेषज्ञ के साथ ही केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) / भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) आदि के स्वतंत्र विशेषज्ञों की भागीदारी के माध्यम से दायरे के विभिन्न प्रावधानों की समीक्षा की जाती है। विशेषज्ञों के निष्कर्षों की जांच की जाती है और सुरक्षा / गुणवत्ता मुद्दों का समाधान करने के लिए उचित सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

“भारतमाला चरण-1 के तहत परियोजनाओं का पूरा होना” के संबंध में एडवोकेट प्रिया सरोज और श्री पुष्पेंद्र सरोज द्वारा पूछे गए दिनांक 05.02.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1025 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

क्र. सं.	बंदरगाह (पोर्ट) का नाम	पोर्ट संपर्कता परियोजना का नाम	भारतमाला/एनएच (मूल)/किसी अन्य योजना के अंतर्गत बजट प्रावधान	कुल लंबाई (किमी में)	स्वीकृत लागत (रुपये करोड़ में)	नियत तिथि	परियोजना की स्थिति	पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	पूर्ण होने की निर्धारित संशोधित तिथि	प्रारंभ लंबाई	वास्तविक प्रगति	विलंब के कारण
1	विशाखापत्तनम	एनएच-516सी के ईस्ट ब्रेक वाटर से कॉन्वेंट जंक्शन तक के खंड में 4-लेन का निर्माण (चरण-1)	भारतमाला परियोजना	3.488	35.79	01.04.2022	कार्य पूर्ण	26.12.2022	30.11.2024	3.488	100%	<p>1. परियोजना राजमार्ग के विकास के लिए अपनाई जाने वाली सड़क निर्माण परतों के प्रकार के संबंध में अनुसूची-बी और अनुसूची-एच के प्रावधानों में विसंगति।</p> <p>2. प्रमुख रेलवे पुल के लिए सीओएस की स्वीकृति।</p> <p>3. परियोजना राजमार्ग का उल्लंघन करते हुए, मौजूदा रेलवे लाइन को किमी 1+350 से किमी 2+800</p>

												(दाहिनी ओर) तक स्थानांतरित करना।  4. किलोमीटर 2+800 से किलोमीटर 3+800 तक वीपीए द्वारा यातायात बंद करने में देरी के कारण विलंब।
2	विशाखापत्तनम	ईपीसी मोड पर आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-16 पर स्थित एमएमएलपी सेटअप से कंटेनर ट्रेलरों के सुचारु आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए विशाखापत्तनम हवाई अड्डे के जंक्शन पर फ्लार्डओवर/अंडरपास का निर्माण	एनएच(मूल)	1.935	36.99	16.08 .2023	कार्य प्रगति पर है	13.02. 2025	31.01. 2026	शून्य	91%	1. सिंचाई विभाग द्वारा एनओसी जारी करने में देरी 2. चक्रवात 3. ठेकेदार द्वारा काम की धीमी प्रगति
3	विशाखापत्तनम	ईपीसी मोड पर आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-516सी के कॉन्वेंट जंक्शन से शीलनगर जंक्शन खंड तक	भारतमाला परियोजना	9.58	501.65	14.02 .2024	कार्य प्रगति पर है	13.02. 2026	31.05. 2026	शून्य	70.50 %	1. चक्रवात 2. गेल द्वारा पाइपलाइनों को स्थानांतरित करने में देरी

		पोर्ट संपर्कता रोड के लिए चार लेन सड़क को छह लेन सड़क में सुधार और चार लेन की समर्पित पोर्ट सड़कों का निर्माण											
4	काकीनाडा	ईपीसी मोड पर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य में काकीनाडा पोर्ट को एनएच-16 से जोड़ने वाली परियोजना के तहत समरलाकोटा से अचमपेटा जंक्शन (0.000 किमी से 12.250 किमी तक) तक चार लेन वाले राजमार्ग का निर्माण	भारतमाला परियोजना	12.25	408	17.08 .2023	कार्य प्रगति पर है	15.08. 2025	13.05. 2026	शून्य	82%	<ol style="list-style-type: none"> <li>निर्धारित तिथि से 180 दिन अधिक समय तक मार्गाधिकार (राइट ऑफ वे) सौंपने में देरी।</li> <li>पांड ऐश की आपूर्ति में देरी।</li> <li>किलोमीटर 8+763 पर लघु पुल के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (जीएआईएल) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने में देरी।</li> <li>भाग्यनगर गैस लिमिटेड (बीजीएल) की मौजूदा पाइपलाइन क्रॉसिंग को हटाने के कारण देरी।</li> <li>किलोमीटर 4+995 पर लघु</li> </ol>	

												<p>पुल सह वाहन अंडरपास के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के सिंचाई विभाग से नौवहन अनापति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने में देरी।</p> <p>6. अगस्त 2023 से नवंबर 2024 के बीच अभूतपूर्व वर्षा।</p> <p>7. 2024 के आम चुनावों के कारण आदर्श आचार संहिता के चलते निर्माण सामग्री की अनुपलब्धता।</p> <p>8. अक्टूबर-नवंबर 2025 में मॉंथा चक्रवात।</p>
5	काकीनाडा	ईपीसी मोड पर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य में अचमपेटा जंक्शन (एनएच-216) से काकीनाडा एंकरेज पोर्ट तक वकालपुडी लाइट हाउस को जोड़ने	भारतमाला परियोजना	11.09 8	90.2 / 79.26 (संशोधित )	13.07 .2022	कार्य प्रगति पर है	12.07. 2023	31.07. 2026	शून्य	72%	<p>1. दिसंबर 2023 में मिचोंग चक्रवात (अप्रत्याशित घटना)</p> <p>2. ठेकेदार द्वारा संसाधनों की तैनाती में प्रारंभिक 6 महीने की देरी</p> <p>3. प्राधिकरण द्वारा सीओएस-1 और पर्यवेक्षण</p>

	<p>वाले एनएच-516एफ खंड (0.000 किमी से 13.198 किमी तक) के मौजूदा 2-लेन से 4-लेन सड़क में पोर्ट संपर्कता का उन्नयन</p>										<p>शुल्क के भुगतान के कारण उपयोगिता स्थानांतरण में देरी</p> <p>4. पोर्ट क्षेत्र में निजी पाइपलाइनों के स्थानांतरण में देरी</p> <p>5. सरकार / निजी उद्योगों द्वारा सामान्य नाली के खिलाफ आपत्ति</p> <p>6. 2023 और 2024 में आंध्र प्रदेश सरकार की खनन नीति में परिवर्तन</p> <p>7. ठेकेदार की वित्तीय समस्याएं</p> <p>8. अक्टूबर-नवंबर 2025 में मोंथा चक्रवात (अप्रत्याशित घटना)</p> <p>9. पोर्ट के पहुंच मार्गों के लिए भार वहन करने वाली नालियों के निर्माण और एलटी लाइनों के स्थानांतरण के लिए सीओएस-2</p>
--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

													कार्यों के कारण 3.2 किमी प्रभावित हुआ।
6	काकीनाडा	ईपीसी मोड पर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य में काकीनाडा पोर्ट को एनएच-16 से जोड़ने वाली परियोजना के तहत समरलाकोटा से अचमपेटा जंक्शन (0.000 किमी से 12.250 किमी तक) तक चार लेन वाले राजमार्ग का निर्माण	भारतमाला परियोजना	12.25	408	17.08 .2023	कार्य प्रगति पर है	15.08. 2025	13.05. 2026	शून्य	82.13 %		<ol style="list-style-type: none"> <li>निर्धारित तिथि से 180 दिन अधिक समय तक मार्गाधिकार सौंपने में देरी।</li> <li>पांड ऐश की आपूर्ति में देरी।</li> <li>किलोमीटर 8+763 पर लघु पुल के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (जीएआईएल) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने में देरी।</li> <li>भाग्यनगर गैस लिमिटेड (बीजीएल) की मौजूदा पाइपलाइन क्रॉसिंग को हटाने के कारण</li> </ol>

												<p>देरी।</p> <p>5. किलोमीटर 4+995 पर लघु पुल सह वाहन अंडरपास के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के सिंचाई विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने में देरी।</p> <p>6. अगस्त 2023 से नवंबर 2024 के बीच अभूतपूर्व वर्षा।</p> <p>7. आम चुनाव 2024 के कारण आदर्श आचार संहिता के चलते निर्माण सामग्री की अनुपलब्धता।</p> <p>8. अक्टूबर-नवंबर 2025 में आने वाला मौंथा चक्रवात</p>
7	कृष्णापट्ट नम	ईपीसी मोड पर आंध्र प्रदेश राज्य में समर्पित बंदरगाह सड़क के छह लेन के निर्माण के लिए पैकेज-1, 0+000 से 18+000	भारतमाला परियोजना	18.97 5	254.43	20.12 .2018	कार्य प्रगति पर है	18.12. 2020	30.06. 2026	शून्य	75.97 %	परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान पक्षों के बीच कुछ विवादों के कारण, मुख्य रूप से पांड ऐश के परिवहन लागत, निष्क्रियता शुल्क,

	किलोमीटर तक (पैकेज-1)										<p>           अनुसूची-बी और अनुसूची-एच के बीच विसंगति, कार्यक्षेत्र में परिवर्तन, विलंबित/अदत्त भुगतान और उस पर ब्याज आदि के कारण, परियोजना 19.01.2021 से 23.03.2023 तक रुकी रही। पक्षों के बीच विवाद 23.03.2023 को सीसीआईई के माध्यम से सुलझा लिए गए।         </p> <p>           पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिनांक 25.01.2016 के राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, टीपीपी एनएच परियोजनाओं के निर्माण के लिए पांड ऐश को लोड करने और परिवहन की लागत प्रदान करेगा और वहन         </p>
--	--------------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	---

करेगा।

हालाँकि, शुरू में, नेलातुरु (नेल्लोर) में एपीजीईएनसीओ पावर प्लांट परियोजना के लिए आवश्यक पांड ऐश के परिवहन की लागत वहन करने के लिए तैयार नहीं था। इस मुद्दे को 21.02.2024 को हल किया गया क्योंकि एपीपीडीसीएल ने सैद्धांतिक रूप से पांड ऐश को निःशुल्क में आपूर्ति करने और विषय परियोजना के लिए लोडिंग और परिवहन शुल्क वहन करने के लिए स्वीकार किया। एपीपीडीसीएल ने 07.02.2024 से साइट पर पॉन्ड ऐश की आपूर्ति शुरू कर दी है। तदनुसार, ईपीसी

ठेकेदार को  
31.08.2025 तक  
ईओटी प्रदान किया  
गया था और इस  
संबंध में निपटान  
समझौता  
02.05.2025 को  
हस्ताक्षरित किया  
गया था।

एक बार फिर,  
एपीपीडीसीए ने  
28.02.2025 से  
साइट पर पांड ऐश  
की आपूर्ति रोक  
दी। एनएचएआई के  
अध्यक्ष ने दिनांक  
09.06.2025 को  
पत्र लिखकर आंध्र  
प्रदेश सरकार के  
सचिव से ईपीसी  
ठेकेदार के अनुरोध  
पर परिवहन लागत  
मुक्त अतिरिक्त  
मात्रा में पांड ऐश  
की आपूर्ति करने  
का अनुरोध किया।  
इसके अलावा,  
सड़क परिवहन और  
राजमार्ग मंत्रालय  
के सचिव ने भी



8	कृष्णापट्ट नम	<p>भारतमाला परियोजना फेज-I (पैकेज-II) के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में एचएएम मोड पर एनएच-516डब्ल्यू पर चिल्लाकुरु क्रॉस रोड से तुरपु कानपुर (पैकेज-II का पार्ट-I) किमी 0+000 (एनएच-16 का 131+500) से किमी 23+770 तक 4-लेन पहुंच नियंत्रित हाईवे का निर्माण, जिसमें एनएच-16 पर 6-लेन फ्लाईओवर और अप्रोच (लंबाई किमी 1.050) और तुरपु कनुपुरु से पोर्ट साउथ गेट (पैकेज-II का पार्ट-II) तक किमी 23+770 से किमी 35+015 तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित राजमार्ग शामिल है।</p>	भारतमाला परियोजना	36.06 5	686.68	07.12 .2023	कार्य प्रगति पर है	06.12. 2025	22.11. 2026	शून्य	46.60 %	<p>1. अप्रत्याशित घटना (मिशौंग चक्रवात) और इसका व्यापक प्रभाव (परियोजना के पूरे क्षेत्र और उसके आसपास बाढ़ की स्थिति), भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण और स्थल पर मार्ग की दिशा में अन्य बाधाएं (36.065 किमी में से 30.695 किमी (85.11%) जो परियोजना तिथि (दिसंबर 2023) को सौंप दी गई थी और शेष लंबाई (7 भागों में) जनवरी 2025 तक सौंप दी जानी थी)।</p> <p>2. प्रभावित क्षेत्रों (36.06 किमी में से 9.21 किमी) में कार्य रुका हुआ है, क्योंकि साइट पर सीओएस की आवश्यकता है,</p>
---	---------------	--	-------------------	------------	--------	----------------	--------------------	----------------	----------------	-------	------------	---

												जिसे एनएचएआई के अध्यक्ष के निर्देशों के बाद 01.03.2025 को शुरू किया गया था (जल संसाधन विकास विभाग/वीआईपी संदर्भ/स्थानीय जन मांग आदि द्वारा मांगे गए अतिरिक्त 43 ढांचे)।
9	कृष्णापट्टनम	ईपीसी मोड (पैकेज-III) पर भारतमाला परियोजना चरण-I के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में कृष्णापट्टनम पोर्ट के पास खंडलेरू क्रीक के उत्तर और दक्षिण औद्योगिक क्लस्टर को जोड़ने वाली ग्रीन फील्ड रोड (थम्मिनापट्टनम से नारिकेलपल्ले तक) का चार लेन	भारतमाला परियोजना	15.95	512.56	25.09 .2023	कार्य प्रगति पर है	24.09. 2025	31.03. 2026	शून्य	74.49 %	1. अप्रत्याशित घटनाएँ (मिशौंग-2024 और फेंगल चक्रवात-2024) और उनका व्यापक प्रभाव (पूरे परियोजना क्षेत्र और उसके आसपास बाढ़ की स्थिति)। 2. सीओएस (सिंचाई विभाग की आवश्यकता और स्थानीय जनता की मांग) के तहत अतिरिक्त

		का निर्माण (भाग-I, किमी 0+000 से किमी 14+650 तक) और एनएच-67 पर समर्पित पोर्ट सड़क के विस्तार का छह लेन का निर्माण (भाग-II, किमी 18+000 से किमी 19+300 तक)।										संरचनाओं के निर्माण के कारण कार्य रुका हुआ था, जिसका कार्य एनएचएआई के अध्यक्ष के निर्देशों के बाद 01.03.2025 को शुरू हुआ था। 3. ए2 साइड पर आरओबी स्थान पर भूमि अधिग्रहण के कारण बाधा, जिसे बाद में मंजूरी दे दी गई (जुलाई-2025 के दौरान, लगभग 700 मीटर की लंबाई) और जिसका निर्माण कार्य जारी है।
10	कृष्णापट्ट नम	एचएएम के तहत भारतमाला परियोजना चरण-I (पैकेज-IV) के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य में नायडुपेटा जंक्शन - तुर्पुकानुपुर खंड (किमी. 57.046 से किमी. 91.927 तक) का छह लेन	भारतमाला परियोजना	34.88 1	961.2	20.10 .2023	कार्य प्रगति पर है	19.10. 2025	28.02. 2027	शून्य	39.50 %	1. अप्रत्याशित घटना (प्राकृतिक आपदा) और इसका व्यापक प्रभाव (पूरे प्रोजेक्ट क्षेत्र और उसके आसपास के इलाकों में बाढ़ की स्थिति)। 2. प्रभावित क्षेत्रों (34.88 किमी में से 30.80 किमी)

	का निर्माण।									में काम रुका हुआ है, क्योंकि साइट पर सीओएस की आवश्यकता थी, जो एनएचएआई के अध्यक्ष के निर्देशों के बाद 01.03.2025 को शुरू हुई थी (जल विकास विभाग/वीआईपी संदर्भ/स्थानीय जन मांग आदि द्वारा मांगे गए अतिरिक्त 95 ढांचे)। 3. भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, वृक्षारोपण की अनुमति और साइट पर आरओडब्ल्यू में अन्य बाधाएं।
--	-------------	--	--	--	--	--	--	--	--	---

11	काकीनाडा	एचएएम के तहत भारतमाला परियोजना के चरण-1 के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-516एफ के एनएच-16 खंड पर वकालपुडी लाइट हाउस से अन्नावरम तक किमी. 0.000 से किमी. 40.621 तक 4 लेन वाले पहुंच नियंत्रित राजमार्ग का निर्माण।	भारतमाला परियोजना	40.621	988	-	कार्य प्रगति पर है	समझौते पर अभी हस्ताक्षर होने बाकी हैं। नियत तिथि की घोषणा अभी बाकी है।	लागू नहीं	शून्य	-	लागू नहीं
12	पारादीप	ओडिशा राज्य में एनएच-53 (पुराना एनएच-5ए) के चंडीखोल-पारादीप खंड (0.00 किमी से 18.00 किमी तक) का 4 से 8 लेन तक का निर्माण (पैकेज-1)	एनएच (मूल)	18	711	15.12 .2023	कार्य प्रगति पर है	14.12. 2025	30.06. 2026	शून्य	89%	1. फलाईऐश की आपूर्ति में कमी। 2. वीआईपी के संदर्भ में सीओएस का कार्य · 3. भूमि अधिग्रहण संबंधी मुद्दे · उपयोगिता स्थानांतरण कार्य में देरी

13	पारादीप	ओडिशा राज्य में एनएच-53 (पुराना एनएच-5ए) के चंडीखोल-पारादीप खंड (0.00 किमी से 18.00 किमी तक) का 4 से 8 लेन का निर्माण (पैकेज-2)	एनएच (मूल)	21	742.5	15.12 .2023	कार्य प्रगति पर है	14.12. 2025	30.06. 2026	शून्य	87%	
14	पारादीप	ओडिशा राज्य में एनएच-53 (पुराना एनएच-5ए) के चंडीखोल-पारादीप खंड (0.00 किमी से 18.00 किमी तक) का 4 से 8 लेन तक का निर्माण (पैकेज-3)	एनएच (मूल)	21	762.75	15.12 .2023	कार्य प्रगति पर है	14.12. 2025	30.06. 2026	शून्य	86%	
15	पारादीप	ओडिशा राज्य में एनएच-53 (पुराना एनएच-5ए) के चंडीखोल-पारादीप खंड (0.00 किमी से 18.00 किमी तक) का 4 से 8 लेन तक का निर्माण (पैकेज-4)	एनएच (मूल)	16.64 6	808.48	01.11 .2024	कार्य प्रगति पर है	31.10. 2026	30.04. 2027	शून्य	24%	

16	चेन्नई पोर्ट	एनएच-48 के किमी -0+342 से किमी 4+604 तक चेन्नई पोर्ट से मदुरवॉयल खंड तक नए डबल टियर 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण (पैकेज-1)	भारतमाला परियोजना	4.95	915.00	23.11 .2023	कार्य प्रगति पर है	20.05. 2026	16.11. 2027	शून्य	14.87 %	(i) जल संसाधन विकास विभाग द्वारा कूउम नदी की सीमा सौंपने में देरी। (ii) नदी तटवर्ती क्षेत्र होने के कारण मानसून के दौरान कोई कार्य नहीं किया जा सकता। (iii) शहर की सड़कों से भारी निर्माण मशीनरी की आवाजाही पर यातायात पुलिस द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण सीमित कार्य घंटे।
17	चेन्नई पोर्ट	एनएच-48 के 4.604 किमी से 9.700 किमी तक के चेन्नई पोर्ट से मदुरवॉयल खंड तक नए डबल टियर 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण (पैकेज-2)	भारतमाला परियोजना	5.10	1015.00	23.11 .2023	कार्य प्रगति पर है	20.05. 2026	16.11. 2027	शून्य	13.23 %	
18	चेन्नई पोर्ट	एनएच-48 के 9,700 किलोमीटर से 14,185 किलोमीटर तक के चेन्नई पोर्ट से मदुरवॉयल खंड तक के लिए नए डबल टियर 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण (पैकेज-3)	भारतमाला परियोजना	4.49	865.00	23.11 .2023	कार्य प्रगति पर है	20.05. 2026	16.11. 2027	शून्य	13.69 %	

19	चेन्नई पोर्ट	एनएच-48 के 14.185 किमी से 20.593 किमी तक के चेन्नई पोर्ट से मदुरवॉयल खंड तक नए डबल टियर 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण (पैकेज-4)	भारतमाला परियोजना	6.41	775.00	23.11 .2023	कार्य प्रगति पर है	20.05. 2026	16.11. 2027	शून्य	5.57%	
20	बेलेकेरी	सिरसी - कुमता - बेलेकेरी पोर्ट, एनएच766ई और एनएच766ईई	भारतमाला परियोजना	58.92	360.6	07.12 .2020	कार्य प्रगति पर है	06.12. 2022	30.04. 2026	शून्य	79.77 %	1) भूमि अधिग्रहण 2) अदालती मामला 3) सड़क मार्ग संबंधी बाधाएं और पुल निर्माण कार्य 4) अप्रत्याशित घटनाएँ 5) वन विभाग से वृक्ष कटाई और निपटान की अनुमति
21	बेलेकेरी	हावेरी - याकांबी - सिरसी रोड 766ई	भारतमाला परियोजना	74.98	174	08.03 .2022	कार्य प्रगति पर है	07.03. 2024	31.03. 2027	शून्य	16.79 %	1) प्रथम चरण वन मंजूरी में देरी: एमओईएएंडसीसी द्वारा 26.09.2024 को सैद्धांतिक मंजूरी (प्रथम चरण वन मंजूरी) प्रदान की गई थी। वन विभाग द्वारा

												17.05.2025 को कार्य करने की अनुमति जारी की गई थी, और द्वितीय चरण वन मंजूरी 23.06.2025 को प्राप्त की गई थी। 2) सीमा रेखा के भीतर अतिक्रमण।
22	होन्नावर	एनएच-66 पर कासरकोड से होन्नावर पोर्ट तक सड़क संपर्क	भारतमाला परियोजना	4.58	87.5	05.12 .2024	कार्य प्रगति पर है	06.06. 2026	06.06. 2026	0	0	यह परियोजना मुख्य रूप से ऋण भारमुक्त भूमि की अनुपलब्धता के कारण विलंबित हो रही है, जिसे पोर्ट प्राधिकरण और कर्नाटक सरकार द्वारा सौंपा जाना आवश्यक है।
23	वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट	एनएच-138 के 0.000 किमी से 6.140 किमी तक तूतीकोरिन पोर्ट सड़क खंड का छह लेन का निर्माण [प्रभावी लंबाई 5.160 किमी]	एनएच (मूल)	5.16	130.2	05.07 .2023	पूर्ण	04.07. 2024	30.06. 2025	5.16	100%	"(i) परियोजना क्षेत्र में अभूतपूर्व भारी बारिश और बाढ़।  (ii) लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता के कारण पार्टियों के उचित नियंत्रण से परे सार्वजनिक उपयोगिता

												स्थानांतरण में अप्रत्याशित देरी।
24	श्यामा प्रसाद पोर्ट	ईपीसी मोड पर पश्चिम बंगाल राज्य में एनएच-117 के किमी 0.145 से किमी 7.337 तक छह लेन वाले एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे का निर्माण	एनएच(मूल)	7.192	720.67	06.06 .2024	कार्यान्वयन के अधीन	03.12. 2026	31.12. 2027	शून्य	31.07 %	मौजूदा कोना एक्सप्रेसवे के मध्य में नींव के निर्माण के साथ-साथ परियोजना के आरंभिक बिंदु से 2 किलोमीटर की लंबाई में सीईएससी केबलों को स्थानांतरित करने के लिए पुलिस प्राधिकरण/राज्य सरकार से यातायात अवरोध/मार्ग परिवर्तन की अनुमति न मिलने के कारण परियोजना की प्रगति बाधित हुई है, जिसमें 7 भूमिगत क्रॉसिंग भी शामिल हैं।

25	अलंग पोर्ट	गुजरात राज्य में अलंग पोर्ट को एनएच-51 से जोड़ने वाले त्रापज-मनार खंड की पोर्ट सड़क संपर्क का विकास।	एनएचडीपी चरण IV	9.12	72.43	31.05 .2022	पूर्ण	17.05. 2024 को गुजरात राज्य के जीएमबी विभाग को सौंप दिया गया।	17.05. 2024	9.12 किमी.	100%	लागू नहीं
26	जेएनपीटी पोर्ट	जेएनपीटी परियोजना, 6/8 लेन का निर्माण पैकेज-I	पोर्ट संपर्कता	4.6	715.97	16 मई 2016	पूर्ण	15 मई 2018	31.03. 2022	4.6	100%	वन मंजूरी के कारण देरी। सीआईडीसीओ की भूमि के कारण देरी। उपयोगिता स्थानांतरण के कारण देरी। कोविड-19 के कारण देरी। अतिक्रमण के कारण देरी।
27		जेएनपीटी परियोजना, 6/8 लेन का निर्माण पैकेज-II	पोर्ट संपर्कता	18.3	871.94	16 मई 2016	पूर्ण	15 मई 2018	31.03. 2022	18.3	100%	
28		जेएनपीटी परियोजना, 6/8 लेन निर्माण पैकेज-III	पोर्ट संपर्कता	11.1	758.46	16 मई 2016	पूर्ण	15 मई 2018	31.03. 2022	11.1	100%	
29		जेएनपीटी परियोजना, 6/8 लेन निर्माण पैकेज-IV	पोर्ट संपर्कता	10.56	589.55	16 मई 2016	पूर्ण	15 मई 2018	30.11. 2020	10.56	100%	

30	मोरमुगाओ पोर्ट	गोवा राज्य में एनएच-17बी के वरुणपुरी जंक्शन से सदा जंक्शन तक खंड 13.100 से 18.300 तक के 4 लेन के लिए शेष कार्यों का निर्माण, संचालन और रखरखाव तथा एमपीटी के रवींद्र भवन जंक्शन से गेट नंबर 09 तक एलिवेटेड रोड सह फ्लाईओवर सह आरओबी सहित इसके लूप कनेक्टिविटी रैंप का निर्माण	पोर्ट संपर्कता	7.91	397	14 अक्टूबर 2015	पूर्ण	13 अक्टूबर 2018	27 जनवरी 2025	7.91	100%	लागू नहीं
31	वधावन	ईपीसी मोड पर महाराष्ट्र राज्य में एनएच(मूल) के अंतर्गत प्रस्तावित वधावन पोर्ट से संपर्कता के लिए 4 लेन (8 लेन तक विस्तार योग्य) एक्सप्रेसवे का निर्माण (वधावन पोर्ट से	एनएच (मूल)	32	परियोजना बोली प्रक्रियाधीन है	लागू नहीं	परियोजना को मंजूरी मिल गई है और तकनीकी बोलियां आमंत्रित कर ली गई हैं।	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

	एनएच 48 पर तावा गांव तक - डिजाइन लंबाई 32.180 किमी)											
--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

\*\*\*\*\*